बूढ़े होने के लिए कौन-सा देश ठीक रहेगा

हाल ही में *ग्लोबल एजवॉच इंडेक्स* का प्रकाशन हुआ है। इसमें देशों का आकलन इस आधार पर किया गया है कि वहां 60 व उससे अधिक उम्र के लोगों की जीवन की गुणवत्ता कैसी है। यह अध्ययन हेल्पएज इंटरनेशनल नेटवर्क द्वारा किया गया है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2050 में दुनिया की 21 प्रतिशत आबादी की उम्र 60 से अधिक होगी।

रिपोर्ट में देशों को क्रम देने के लिए 4 मापदंडों का इस्तेमाल किया गया है - आमदनी की सुरक्षा, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत क्षमताएं और क्या व्यक्ति को जीने के लिए सामर्थ्यजनक वातावरण हासिल है।

आम तौर पर माना जाता है कि वृद्ध आबादी का बढ़ना रईस देशों में ही होता है मगर तथ्य यह है कि यह एक वैश्विक परिघटना है। साथ में समस्या यह है कि गरीब देशों में वृद्ध लोगों के जीवन की गुणवत्ता काफी खस्ता होती है। नेटवर्क द्वारा प्रस्तुत *इंडेक्स* से अंदाज़ा लगता है कि आने वाले समय में लाखों वृद्धजन समस्याओं का सामना करेंगे।

दुनिया के स्तर पर देखें तो औसत आयु पिछले पचास वर्षों में बढ़कर 66 वर्ष हो गई है। उदाहरण के लिए एक सदी पहले तक जन्म के समय एक ब्रिटिश नागरिक औसतन 47 साल के जीवन की उम्मीद कर सकता था मगर आज कुछ ही देश ऐसे हैं जहां औसत आयु इतनी कम हो।

रिपोर्ट के मुताबिक बुज़ुर्गों के लिहाज़ से सर्वोत्तम स्थिति नॉर्वे की है और उसके बाद स्वीडन और स्विटज़रलैण्ड का नंबर आता है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान की हालत सबसे खराब है। इस सूची में शामिल 96 देशों में भारत का नंबर 69वां है।

चिंता की बात यह है जब गरीब देशों में बुज़ुर्गों की संख्या बढ़ेगी और उनके पास आर्थिक सुरक्षा नहीं होगी तो वे अपने बच्चों पर निर्भर होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 65 वर्ष से अधिक आयु के मात्र 25 प्रतिशत लोगों को पेंशन मिलती है। महिलाओं की स्थिति और भी शोचनीय है क्योंकि पुरुषों के मुकाबले कम महिलाओं को पेंशन मिल पाती है।

इस *इंडेक्स* के निर्माता सॉउथेम्पटन विश्वविद्यालय के असगर ज़ैदी का कहना है कि हमने औसत आयु बढ़ने के विभिन्न आयामों को समझने में बहुत देर कर दी है। आम तौर पर वृद्धजनों को एक समस्या माना जाता है जबकि सही तरह का माहौल मिले तो वे समाज के लिए अच्छे संसाधन हो सकते हैं। मसलन, जर्मनी में किए गए एक अध्ययन में पता चला था कि उचित देखभाल की जाए तो वृद्धजन समाज के लिए वरदान हो सकते हैं।

बहरहाल, दुनिया की बढ़ती औसत आयु के मद्देनज़र न सिर्फ सरकारों बल्कि समाज को भी इस बारे में सकारात्मक ढंग से सोचकर नीतियां व रीतियां बनानी होंगी। ***(स्रोत फीचर्स)***

वर्ग पहेली 122 का हल

सू	क्ष्म	द	र्शी		आ	प	ति	त
ची		म				ला		क्ष
प	ल	क		आ	का	श		शि
र्ण		ल	सि	का			ओ	ला
	ल			श			स	
क्ष	य			गं	ध	क		अ
य		सु	हा	गा		स	ह	ज
मा		रं				र		ग
स	र	ग	म		प	त	वा	र